SET-2

Series SGN

कोड नं.
Code No. **2/2**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **4** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*
Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड - क

1. **नीचे लिखे काव्य खण्ड को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए।** 1x5=5

वीरता जहाँ पर नहीं, पुण्य का क्षय है
वीरता जहाँ पर नहीं, स्वार्थ की जय है
तलवार पुण्य की सखी, धर्म–पालक है
लालच पर अंकुश कठिन लोभ–सालक है
आसि छोड़ भीरु वन जहाँ धर्म सोता है
पातक प्रचंडतम वहीं प्रकट होता है
तलवारें सोतीं जहाँ बंद म्यानों में
किस्मतें वहाँ सड़ती हैं तहखानों में
हो जहाँ कहीं भी अनय उसे रोको रे
जो करें पाप शशि–सूर्य उन्हें टोको रे।

(क) वीरता के अभाव के क्या परिणाम बताए गए हैं?

(ख) तलवार किसका प्रतीक है? उसके क्या गुण हैं?

(ग) आशय समझाइए – तलवारें सोतीं जहाँ बंद म्यानों में
किस्मतें वहाँ सड़ती हैं तहखानों में

(घ) 'प्रचंड पातक' कहाँ प्रकट होता है? कैसे?

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20-30 शब्दों में दीजिए : 15

सामने लहलहाता झूमता हुआ, अपनी बाहों को फैलाए हुए, मदमस्त हरा-भरा, फल-फूलों से लदा आम का पेड़ सदैव की भाँति मुस्कराता दिखाई दे रहा है जो न केवल मेरा, बल्कि पूरे प्राणीमात्र का आश्रयदाता है। जिसकी डालियों में पंछियों का बसेरा है, जिसके सिर पर बन्दरों का निवास है, मूल में सर्प निवास करते हैं, जिसकी छाया में ग्रीष्म के धूप-ताप से थका मादा राही चैन की साँस लेता है, जिसके फल स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक भी हैं वही आज कुछ परेशान सा दिख रहा है। कारण, आज हमारी वन सम्पदा के ऊपर अस्तित्व का संकट गहराता जा रहा है। आज के भौतिक युग में लकडी उद्योग के नए-नए आयामों ने अनुपयोगी जीर्णशीर्ण वन संपदा को नष्ट करने का प्रयास किया है। उपयोगी फलदार जोशीले युवा वृक्षों को भी मानव के अपनी स्वार्थ बुद्धि और अदूरदर्शिता से असमय में ही काट दिया है और वनों के अस्तित्व पर संकट पैदा कर दिया है। आज समूची मानव जाति कटते जंगल और बढ़ते प्रदूषण की शिकार बनती जा रही है। प्राचीन काल में हमारे ऋषि-मुनि नगरों ग्रामों से दूर घने जंगलों में आश्रम बनाकर रहते थे। उनके द्वारा समूची मानव जाति के कल्याण के लिए वनस्पति का संरक्षण-संवर्धन करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया थी। आज भी प्रकृति प्रेम एवं वनस्पति संरक्षण के लिए उनकी दृष्टि प्रेरणा प्रदान करती है।

(क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ख) वृक्ष प्राणी-मात्र के आश्रयदाता किस प्रकार हैं? 2

(ग) वृक्ष मानव जाति का उपकार किस प्रकार करते हैं? 2

(घ) मानव द्वारा वृक्षों का दोहन क्यों किया जा रहा है? 2

(ङ) प्राचीन काल में वनस्पति संरक्षण की क्या व्यवस्था थी? 2

(च) 'मानव ने स्वार्थ बुद्धि और अदूरदर्शिता से वनों पर संकट पैदा कर दिया है।' स्पष्ट कीजिए। 2

(छ) वृक्षों का महत्व किस प्रकार समझाया जा रहा है। 2

(ज) वृक्षों की उपयोगिता पर गद्यांश में आए कथनों को छोड़कर अपनी ओर से कोई दो 'स्लोगन' लिखिए। 2

खण्ड - ख

3. प्रसार भारती के निदेशक को 'हरियाली' नामक संस्था के सचिव की ओर से पत्र लिखकर प्रकृति संरक्षण विषय पर कार्यक्रम प्रसारित कराने के लिए 150 शब्दों में सुझाव दीजिए। 5

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20-30 शब्दों में उत्तर दीजिए। 1x5=5

(क) अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं?

(ख) ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना कब और क्यों हुई?

(ग) संपादक के दो कार्य लिखिए।

(घ) 'फोन इन' क्या होता है?

(ङ) 'पीत पत्रकारिता' से क्या आशय है?

5. निम्नलिखित में से *किसी एक* विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) बाढ़ का वह दृश्य

(ख) संस्कृति की वाहिका हमारी भाषा

(ग) कम्प्यूटर : मेरी आवश्यकता

(घ) शिक्षा का बदलता स्वरूप

6. 'बच्चा पढ़ेगा तो देश बढ़ेगा' विषय पर एक फीचर 150 शब्दों में लिखिए। **5**

7. 'बढ़ती रेल दुर्घटनाएँ' विषय पर एक आलेख 150 शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

अपने द्वारा देखी गई किसी फिल्म की संतुलित समीक्षा लिखिए।

खण्ड - ग

8. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 30 शब्दों में लिखिए।** 2x4=8

सबसे तेज़ बौछारें गयीं भादों गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए
घंटी बजाते हुए जोर-जोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए

(क) सवेरे की तुलना किससे की गई है? और क्यों?

(ख) शरद के आगमन पर कवि ने क्या कल्पना की है?

(ग) काव्यांश के बिंबों का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) भादों के जाने पर प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई पड़ते हैं?

अथवा

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना।

(क) 'रोपाई क्षण की, कटाई अनंतता की' कथन से कवि का क्या आशय है?

(ख) अक्षय पात्र किसे कहा गया है और क्यों?

(ग) खेत की तुलना किससे की गई है और क्यों?

(घ) 'अमृत धाराएँ फूटतीं' कथन कविता और खेत दोनों में किस प्रकार सटीक है?

9. **निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30-40 शब्दों में दीजिए।** 3x2=6

(क) 'बादल राग' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) प्रारंभ में 'सहर्ष स्वीकारा है' कहने वाला कवि आगे चलकर क्यों कहता है, 'रमणीय उजेला अब सहा नहीं जाता'?

(ग) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता में ''एक ओर प्रकृति की वत्सलता झलकती है तो दूसरी ओर कवि की उदासी'' - टिप्पणी कीजिए।

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए। **3x2=6**

जथा पंख बिनु खग अति दीना।
मनि बिनु फनि करिबर कर हीना।
अस मम जिवन बंधु-बिनु तोही।
जौं जड़ दैव जिआवै मोही।।

(क) काव्यांश का भाव-सौन्दर्य लिखिए।

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ बताइए।

(ग) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

11. निम्नलिखित में से *किन्हीं चार* प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30-40 शब्दों में दीजिए। **3x4=12**

(क) लेखक इन्दर सेना पर पानी फेंकने का समर्थक क्यों नहीं था? जीजी ने उसे क्या कहकर समझाया?

(ख) आज की उपभोक्तावादी संस्कृति में 'बाजार दर्शन' से हमें क्या प्रेरणा मिलती है। उदाहरण देकर समझाइए।

(ग) " 'नमक' कहानी भारत-पाक विभाजन के बावजूद मानवीय भावनाओं की समानता की कथा है।" टिप्पणी कीजिए।

(घ) जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी और भुखमरी का एक कारण बनती जा रही है। डॉ. आंबेडकर के कथन पर अपने विचार लिखिए।

(ङ) भक्तिन की तुलना हनुमान जी से क्यों की गई है? उदाहरण देकर समझाइए।

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 30 शब्दों में दीजिए : **2x4=8**

कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे। कुछ इसी श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिंदी कवि सुमित्रानंदन पंत में है। कविवर रवींद्रनाथ में यह अनासक्ति थी। एक जगह उन्होंने लिखा – 'राजोद्यान का सिंहद्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्पकला कितनी ही सुन्दर क्यों न हो, वह यह नहीं कहता कि हममें आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है, यही बताना उसका कर्तव्य है'। फूल हो या पेड़ वह अपने-आप में समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए उठी हुई अँगुली है। वह इशारा है।

(क) कालिदास की सौन्दर्य दृष्टि के बारे में लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने रवींद्रनाथ और सुमित्रानंदन पंत की तुलना कालिदास से क्यों की है?

(ग) फूल और पेड़ हमें क्या प्रेरणा देते हैं?

(घ) राजोद्यान के सिंहद्वार के बारे में रवींद्रनाथ के कथन का आशय समझाइए।

13. (क) 'जूझ' कहानी का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में 150 शब्दों में लिखिए। **5**

(ख) 'अतीत में दबे पाँव' शीर्षक की सार्थकता पर तर्क संगत विचार लगभग 150 शब्दों में लिखिए। **5**

14. 'डायरी के पन्ने' में लेखिका के नारी जीवन से संबंधित विचारों की जीवन मूल्यों की दृष्टि से लगभग 150 शब्दों में समीक्षा कीजिए। **5**